International Journal of Education and Science Research Review
E-ISSN 2348-6457
Volume-8, Issue-6 Nov-Dec- 2021
P-ISSN 2349-1817
www.ijesrr.org
Email- editor@ijesrr.org

अध्यापक शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता का तुलनात्मक अध्ययन

सुशील कुमार सारस्वत [1*], डा.सुरक्षा बंसल [2]**
शोधार्थी [1*], शोध निर्देशिका [2**]
स्कूल ऑफ एजूकेशन [1,2], शोभित इन्स्टीट्यूट ऑफ इन्जीनियरिंग एण्ड टैक्नोलॉजी
(डीम्ड—टू—बी यूनिवर्सिटी) मोदीपुरम (मेरठ)

शोध सार

प्रस्तुत शोध पत्र में अध्यापक शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता का तुलनात्मक अध्ययन किया गया है। शोध के न्यादर्श का चुनाव उद्देश्यपूर्ण विधि द्वारा किया गया। न्यादर्श के रूप में कुल 120 इकाईयों को लिया गया है। जिसमें 60 अध्यापक शिक्षक तथा 60 अध्यापक शिक्षिकाओं को चयनित किया गया है। शोध विधि के रूप में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है। आंकडों के एकत्रीकरण हेतु डा.रविन्द्र कौर, डा.सरबजीत रानू एवं सरबजीत कौर बरार द्वारा निर्मित 'प्रोफेशनल कमिटमेण्ट स्केल फॉर टीचर्स' का प्रयोग किया गया है। आँकड़ों के विश्लेषण के लिए माध्य, मानक विचलन एवं टी—परीक्षण का प्रयोग किया गया है। शोध परिणाम यह बताते है कि अधिगमकर्ता एवं आजीविका के प्रति प्रतिबद्धता के अन्तर्गत अध्यापक शिक्षक एवं शिक्षिकाओं में पर्याप्त भिन्नता पाई जाती है जबकि समाज, आजीविकागत क्रियाकलाप में उत्कृष्टता एवं मूलभूत मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता में कोई भिन्नता नहीं पायी गयी। इन सभी क्षेत्रों में अध्यापक शिक्षक एवं शिक्षिकाओं में समानता पायी गयी।

कुंजी शब्द— अध्यापक शिक्षक एवं व्यावसायिक प्रतिबद्धता

प्रस्तावना—

व्यावसायिक प्रतिबद्धता किसी व्यक्ति के अपने पेशे के साथ सामाजिक—मनोवैज्ञानिक जुडाव से संबंधित है। सभी व्यवसायों में शिक्षण व्यवसाय को उत्तम व्यवसायों में से एक माना जाता है। अध्यापक शिक्षा जो समाज को गुणवत्तापूर्ण शिक्षक उपलब्ध कराने हेतु प्रयासरत है, उन्हें पेशे के प्रति अधिक प्रतिबद्धता रखनी चाहिए। एक प्रतिबद्ध शिक्षक समाज के लिए संपत्ति है। शिक्षकों में पेशे के प्रति समर्पण की कमी कई कारणों से हो सकती है जैसे विषय वस्तु के ज्ञान की कमी, आई.सी.टी. कौशल की कमी या अपने पेशे और छात्रों के प्रति प्रतिबद्धता की कमी। गुणवत्तापूर्ण शिक्षकों की समाज को बहुत आवश्यकता है। शिक्षक प्रशिक्षकों की पेशेवर प्रतिबद्धता की भूमिका शिक्षकों की पूर्व सेवा और सेवाकालीन प्रशिक्षण द्वारा स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता को प्रभावित करती है। शिक्षा के क्षेत्र में अध्यापक शिक्षकों ने विद्यार्थियों को आगे बढाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, वे अपने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और प्रगति के लिए हमेशा उत्सुक रहते हैं।

शिक्षक राष्ट्र निर्माण के साथ—साथ ज्ञान के स्रोत भी हैं, वे वैज्ञानिक ज्ञान, दृष्टिकोण, कौशल, मानवीय संबंध प्राप्त करने और इसे विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। व्यावसायिक प्रतिबद्धता को वफादारी, पेशे में बने रहना, पेशे के प्रति व्यक्ति का समर्पण और समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना के रूप में परिभाषित किया गया है।

एक पेशेवर प्रतिबद्ध अध्यापक शिक्षक प्रत्येक विद्यार्थी को उसकी कौशल और क्षमताओं के अनुसार उनके जीवन में सही समय पर सही चीज चुनने का समान मौका देता है ताकि उपलब्धि का इष्टतम स्तर सुनिश्चित किया जा सके। व्यावसायिक प्रतिबद्धता एक अच्छे शिक्षक की भावना है और इस पेशे की विशेषता स्थिरता, दक्षता और पेशेवर मानकों के अनुरूप है। इस शोध का उद्देश्य अध्यापक शिक्षकों की व्यावसायिक

प्रतिबद्धता की जांच करना था। एक प्रतिबद्ध अध्यापक शिक्षक में प्रदर्शन करने के लिए कुछ अलग—अलग गुण होते हैं और वह प्रणाली में कुशलतापूर्वक और प्रभावी ढंग से कार्य करता है। व्यावसायिक प्रतिबद्धता उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में एक प्रभावी शिक्षण—अधिगम की प्रक्रिया सुनिश्चित व स्थापित करने में मदद कर सकती है। इसीलिए शिक्षण—अधिगम प्रक्रिया के क्षेत्र में अध्यापक शिक्षकों की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका मानी जाती है। अध्यापक शिक्षक अपने प्रशिक्षणार्थियों के पेशेवर कौशल जैसे बाल मनोविज्ञान, शिक्षण रणनीतियों, शिक्षण—अधिगम उपकरण और शिक्षण विधियों आदि का ज्ञान विकसित करने का प्रयास करते हैं, अध्यापक शिक्षकों के पास अपने पेशे के बारे में कुछ प्रकार की जिम्मेदारी, दायित्व और क्षमता भी होनी चाहिए। उन्हें शोध पत्र, लेख लिखने, कार्यशालाओं और सेमिनारों में भाग लेने आदि के संदर्भ में अपने पेशेवर विकास में लगातार शामिल रहना चाहिए। इससे उनके पेशेवर जीवन, दृष्टिकोण, ज्ञान में वृद्धि होगी और अध्यापक शिक्षकों के बीच पेशेवर प्रतिबद्धता बढाने में यह एक बडा लाभ होगा।

तेजी से बदलते सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक परिदृष्य में अध्यापक शिक्षक का यह दायित्व बनता है कि वह शिक्षा को प्रसन्नतादायक बनायें। शिक्षा के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए शिक्षक को स्वयं में एक अन्वेषक होना चाहिए उसे सदैव नये विचारों की खोज करनी चाहिए, ज्ञान के सम्प्रेषण के लिये नयी—नयी विधाओं की खोज करनी चाहिए, सहनशील होना चाहिये और उसे भविष्य दृष्टा होना चाहिए अर्थात् उसे अपने व्यवसाय के प्रति पूर्णतया प्रतिबद्ध होना चाहिए। अध्यापक शिक्षक प्रतिबद्धता को कई रूपों में व्यक्त किया जा सकता है। राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद ने अध्यापक शिक्षकों के लिये प्रतिबद्धता के निम्नलिखित क्षेत्र बताए हैं—

1- अधिगमकर्ता के प्रति प्रतिबद्धता।
2- समाज के प्रति प्रतिबद्धता।
3- अजीविका के प्रति प्रतिबद्धता।
4- आजीविका गत क्रियाकलाप में उत्कृष्टता की प्राप्ति सम्बन्धी प्रतिबद्धता।
5- मूलभूत मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता।

अध्यापक शिक्षा को गुणवत्ता युक्त बनाने के लिए यह आवश्यक है कि अध्यापक शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम में सेवारत शिक्षक अपने कार्य के प्रति प्रतिबद्ध हों। प्रस्तुत शोध में यह जानने का प्रयास किया जा रहा है, कि क्या शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों में अध्यापनरत अध्यापक शिक्षक अपने कार्य के प्रति प्रतिबद्ध हैं, तो उनकी प्रतिबद्धता का स्तर क्या है? आदि बातों को अध्ययन करने के लिये शोधार्थी द्वारा उपर्युक्त समस्या का चयन किया गया।

शोध अध्ययन की आवश्यकता

भारत में प्राचीनकाल से ही शिक्षा का विशेष महत्व रहा है तथा प्राचीन समय से ही अध्यापक शिक्षकों की राष्ट्र के विकास में अग्रणी भूमिका रही है। वर्तमान समय में मनुष्य बहुत—सी समस्याओं से ग्रस्त है उसकी विभिन्न प्रकार की आवश्यकता है जिसकी पूर्ति के लिए यह निरन्तर अपनी वातावरण के साथ समायोजन स्थापित करने में लगा रहता है। एक अध्यापक शिक्षक अपने प्रभावी शिक्षण के द्वारा ही अध्यापक प्रशिक्षणार्थियों

के व्यवहार में परिवर्तन ला सकते हैं। वर्तमान समय में इस बात की आवश्यकता है कि अध्यापक शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता का प्रभाव अध्यापक प्रशिक्षणार्थियों की अधिगम क्षमता पर पड़ता है। प्रत्येक अध्यापक शिक्षक की व्यावसायिक प्रतिबद्धता का स्तर भिन्न होता है क्योंकि शिक्षण की सफलता अध्यापक शिक्षकों की शिक्षण क्षमता के क्रियान्वयन पर निर्भर होती है। अध्यापक शिक्षकों का सहयोग जितना अधिक होगा शिक्षण परिणाम उतना ही बेहतर होगा। अत: अध्यापक शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता का स्तर जानने हेतु प्रस्तुत अध्ययन आवश्यक है।

सम्बन्धित साहित्य की समीक्षा

महाजन, पूनम एवं कॉटस, अमित (2022) ने ‘स्टडी ऑफ प्रोफेशनल कमिटमेंट एमन्ग सेकेण्डरी स्कूल टीचर्स ऑफ पंजाब विद रेस्पेक्ट टू टाइप ऑफ स्कूल’ विषय पर शिक्षा विभाग जी.एन.डी.यू. अमृतसर में अपना शोध प्रस्तुत किया। अध्ययन में पंजाब के 6 जिलों के माध्यमिक विद्यालय से 960 शिक्षकों को यादृच्छिक विधि द्वारा चयनित किया। आंकड़ों के संग्रहण के लिए व्यावसायिक प्रतिबद्धता मापनी सैनी और कॉट्स (2016) द्वारा निर्मित मानकीकृत मापनी का प्रयोग किया गया। अध्ययन के निष्कर्षों से पता चलता है कि व्यावसायिक प्रतिबद्धता के सभी आयामों पर सरकारी शिक्षकों की अपेक्षा निजी माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता उच्च स्तर की पायी गई।

हातिम मौ. एवं शाकिर, मौ. (2021) ने ‘ए स्टडी ऑफ प्रोफेशनल कमिटमेंट एमन्ग सेकेन्डरी स्कूल टीचर्स इन रिलेशन टू सेल्फ एस्टीम, जेंडर एण्ड लेंथ सर्विस’ विषय पर शिक्षा विभाग अलीगढ़ मुस्लिम विश्व विद्यालय अलीगढ़ उ.प्र. में अपना शोध प्रस्तुत किया। प्रस्तुत अध्ययन में उ.प्र. के अलीगढ़ जिले के 136 माध्यमिक विद्यालय शिक्षकों (63 पुरूष और 73 महिला) को न्यादर्श के रूप में चयन किया गया। डा. संतोष धर एवं डॉ. उपेन्द्र धर द्वरा विकसित स्व. स्टीम प्रश्नावली, रविन्द्र कौर सरबजीत कौर बराड़ द्वारा विकसित व्यावसायिक प्रश्नावली, का उपयोग आंकड़ों के संग्रहण हेतु किया गया। अध्ययन के निष्कर्षो में पुरूष एवं महिला शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता और आत्म सम्मान में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया। तथा साथ ही 10 वर्ष से कम अनुभव वाले शिक्षकों एवं 10 वर्ष से अधिक अनुभव वाले शिक्षकों के मध्य कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।

अली, रमजान (2020) ने ‘प्रोफेशनल कमिटमेंट ऑफ टीचर एजुकेटर्स इन कॉलेज ऑफ एजूकेशन इन जम्मू डिस्ट्रिक्ट’ शीर्षक पर शिक्षा विभाग, जम्मू से अपना शोध प्रबन्ध पूर्ण किया। अध्ययन में 110 शिक्षकों को उनके लिंग, स्थानीय आधार, योग्यता एवं वैवाहिक स्थिति आदि के आधार पर चुना गया। अध्ययन में डा. विशाल सूद (2011) द्वारा तैयार शिक्षकों के लिये व्यावसायिक प्रतिबद्धता मापनी का उपयोग किया गया। अध्ययन के निष्कर्षो से पता चलता है जम्मू जिले के महाविद्यालयों में पढाने वाली महिला शिक्षक प्रशिक्षिक पुरूष शिक्षक प्रशिक्षकों की तुलना में अच्छी है। महाविद्यालयों में पढाने वाले शहरी शिक्षक ग्रामीण शिक्षक प्रशिक्षकों से बेहतर एवं साथ ही अविवाहित शिक्षक विवाहित शिक्षक प्रशिक्षकों से ज्यादा योग्य पाए गए।

सिंह, धर्मेन्द्र (2017) ने अपना शोध पत्र **‘प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्तर पर अध्यापकों की व्यावसायिक प्रभावशीलता का अध्ययन’** विषय पर शिक्षा संकाय, महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर राजस्थान से

पूर्ण किया। प्रस्तुत अध्ययन में शोधार्थी ने भरतपुर एवं जयपुर जिले में अध्ययनरत् ग्रामीण एवं शहरी तथा राजकीय एवं अराजकीय विद्यालयों के 600 शिक्षकों (महिला व पुरूष) को न्यादर्श के रूप में चयन किया। आँकड़ों का संग्रहण करने हेतु डॉ. मुनीश्वर शर्मा एवं डॉ. अशोक सेवानी द्वारा निर्मित अध्यापक प्रभावशीलता मापनी का प्रयोग किया गया। अध्ययन के निष्कर्ष में पाया गया कि प्राथमिक औसत से अधिक है। अतः वर्तमान में शिक्षकों की व्यावसायिक प्रभावशीलता में वृद्धि हुई है वह अपने व्यवसाय के प्रति निष्ठावान है।

समस्या कथन

अध्यापक शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता का तुलनात्मक अध्ययन

शोध में प्रयुक्त शब्दों का परिभाषीकरण

अध्यापक शिक्षक

प्रत्येक शिक्षक महत्वपूर्ण पेशेवर हैं जो शिक्षकों के साथ मिलकर काम करते हैं, और वे शिक्षकों के कार्य प्रदर्शन, पेशेवर शिक्षा और करियर विकास पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकते हैं। सामान्य तौर पर, अध्यापक शिक्षक वे होते हैं जो अध्यापक प्रशिक्षणार्थियों को उनके व्यावसायिक विकास में सहायता करने के उद्देश्य से पढाते या प्रशिक्षित करते हैं। वे शिक्षकों के विकास का समर्थन करने के लिए विभिन्न व्यावसायिक प्रथाओं में संलग्न हैं, जैसे कि प्रभावी शिक्षण का मॉडलिंग करना, शिक्षकों के प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया प्रदान करना और सार्वजनिक रूप से शिक्षण पेशे की वकालत करना।

व्यावसायिक प्रतिबद्धता

शिक्षण की गुणवत्ता शिक्षकों के अनुभवों एवं उनकी व्यावसायिकता को दर्शाती है। अध्यापक अपने शिक्षार्थी को ज्ञान एवं प्रशिक्षण के माध्यम से अधिगम के लिए अभिप्रेरित करता है। अध्यापक शिक्षक अपने व्यवसाय में छात्रों के प्रति ज्ञान, मूल्यों, विश्वास एवं उत्तरदायित्वों के रूप में सदैव प्रतिबद्ध रहता है।

प्रस्तुत शोध अध्ययन के उद्देश्य

1- अध्यापक शिक्षकों की अधिगमकर्ता के प्रति प्रतिबद्धता का अध्ययन करना।
2- अध्यापक शिक्षकों की समाज के प्रति प्रतिबद्धता का अध्ययन करना।
3- अध्यापक शिक्षकों की आजीविका के प्रति शिक्षण प्रतिबद्धता का अध्ययन करना।
4- अध्यापक शिक्षकों की आजीविकागत क्रियाकलाप में उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता का अध्ययन करना।
5- अध्यापक शिक्षकों की मूलभूत मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता का अध्ययन करना।

प्रस्तुत शोध अध्ययन की परिकल्पना

1- अध्यापक शिक्षकों की अधिगमकर्ता के प्रति प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर नहीं है।
2- अध्यापक शिक्षकों की समाज के प्रति प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर नहीं है।
3- अध्यापक शिक्षकों की आजीविका के प्रति प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर नहीं है।

4- अध्यापक शिक्षकों की आजीविकागत क्रियाकलाप में उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर नहीं है।

5- अध्यापक शिक्षकों की मूलभूत मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर नहीं है।

प्रस्तुत शोध में जनसंख्या एवं न्यादर्श

प्रस्तुत शोध अध्ययन में मेरठ जिले के अध्यापक शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों के अध्यापक शिक्षक एवं अध्यापक शिक्षिकाओं को ही चयनित किया गया। शोध में अध्यापक शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों के अध्यापक शिक्षकों का चयन यादृच्छिक विधि द्वारा किया गया।

प्रस्तुत शोध में अध्ययन विधि

वर्तमान शोध अध्ययन में शोधार्थी द्वारा अध्यापक शिक्षकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता का अध्ययन करने के लिए सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया।

प्रस्तुत शोध में प्रयुक्त उपकरण

प्रस्तुत शोध में डा.रविन्द्र कौर, डा.सरबजीत रानू एवं सरबजीत कौर बरार द्वारा निर्मित व्यावसायिक प्रतिबद्धता प्रश्नावली का प्रयोग किया गया।

प्रस्तुत शोध में प्रयुक्त सांख्यिकीय विधि

प्रस्तुत शोध में मध्यमान, प्रमाप विचलन एवं टी—परीक्षण की गणना के आधार पर प्राप्त आँकड़ों का विश्लेषण किया गया है।

विश्लेषण एवं विवेचन

निर्धारित किये उद्देश्यों एवं परिकल्पनाओं के अनसुार परीक्षण में प्राप्त आँकड़ों का क्रमवार विश्लेषण निम्न प्रकार है। आँकड़ों का विश्लेषण उद्देश्यों के अनुकूल प्रश्नावली के अनुसार किया गया है।

परिकल्पना

1- अध्यापक शिक्षकों की अधिगमकर्ता के प्रति प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर नहीं है।

तालिका— 1

अध्यापक शिक्षकों की अधिगमकर्ता के प्रति प्रतिबद्धता की तुलना

	वर्ग	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	टी—मूल्य	सार्थकता स्तर
अधिगमकर्ता के प्रति प्रतिबद्धता	अध्यापक शिक्षक	60	14.33	3.79	**2.345**	**सार्थकता स्तर 0.05**
	अध्यापक शिक्षिकायें	60	15.82	3.14		

तालिका 1 का अवलोकन करने पर ज्ञात होता है कि अधिगमकर्ता के प्रति प्रतिबद्धता से सम्बन्धित आंकड़ों में अध्यापक शिक्षकों का मध्यमान 14.33 तथा मानक विचलन 3.79 प्राप्त हुआ, तथा अध्यापक

शिक्षिकाओं से सम्बन्धित आंकड़ों का मध्यमान 15.82 तथा मानक विचलन 3.14 प्राप्त हुआ। मध्यमान का अवलोकन करने पर शिक्षिकाओं की अधिगमकर्ता के प्रति प्रतिबद्धता का मान अधिकतम पाया गया।

प्राप्त आंकड़ों के सांख्यिकीय विश्लेषण द्वारा परिकलित टी—मूल्य **2.345** प्राप्त हुआ। जो सार्थकता के स्तर पर स्वतन्त्रता के अंश 118 पर सारणी में दिए गए टी— मूल्य के मान 0.05 पर 1.98 से अधिक है। **अतः शून्य परिकल्पना 'अध्यापक शिक्षकों की अधिगमकर्ता के प्रति प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर नहीं है' अस्वीकृत की जाती है।** विश्लेषण के आधार पर कहा जा सकता है कि अध्यापक शिक्षकों की अपेक्षा अध्यापक शिक्षिकायें अधिगमकर्ता के प्रति अधिक प्रतिबद्ध होती है।

परिकल्पना

2- अध्यापक शिक्षकों की समाज के प्रति प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर नहीं है।

तालिका— 2

अध्यापक शिक्षकों की समाज के प्रति प्रतिबद्धता की तुलना

	वर्ग	**संख्या**	**मध्यमान**	**मानक विचलन**	**टी—मूल्य**	**सार्थकता स्तर**
समाज के प्रति प्रतिबद्धता	अध्यापक शिक्षक	60	17.26	3.25	**1.069**	**असार्थक**
	अध्यापक शिक्षिकायें	60	16.62	3.31		

तालिका 2 का अवलोकन करने पर ज्ञात होता है कि समाज के प्रति प्रतिबद्धता से सम्बन्धित आंकड़ों में अध्यापक शिक्षकों का मध्यमान 17.26 तथा मानक विचलन 3.25 प्राप्त हुआ, तथा अध्यापक शिक्षिकाओं से सम्बन्धित आंकड़ों का मध्यमान 16.62 तथा मानक विचलन 3.31 प्राप्त हुआ। मध्यमान का अवलोकन करने पर शिक्षिकाओं की समाज के प्रति प्रतिबद्धता का मान निम्न पाया गया।

प्राप्त आंकड़ों के सांख्यिकीय विश्लेषण द्वारा परिकलित टी—मूल्य **1.069** प्राप्त हुआ। जो सार्थकता के स्तर पर स्वतन्त्रता के अंश 118 पर सारणी में दिए गए टी— मूल्य के मान 0.05 पर 1.98 से कम है। **अतः शून्य परिकल्पना 'अध्यापक शिक्षकों की समाज के प्रति प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर नहीं है' स्वीकृत की जाती है।** विश्लेषण के आधार पर कहा जा सकता है कि अध्यापक शिक्षक एवं अध्यापक शिक्षिकायें समाज के प्रति समान रूप में प्रतिबद्ध होते है।

परिकल्पना

3- अध्यापक शिक्षकों की आजीविका के प्रति प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर नहीं है।

तालिका— 3

अध्यापक शिक्षकों की आजीविका के प्रति प्रतिबद्धता की तुलना

	वर्ग	**संख्या**	**मध्यमान**	**मानक विचलन**	**टी—मूल्य**	**सार्थकता स्तर**

आजीविका के प्रति प्रतिबद्धता	अध्यापक शिक्षक	60	18.29	4.26	**2.327**	**सार्थकता स्तर 0.05**
	अध्यापक शिक्षिकायें	60	16.51	4.12		

तालिका 3 का अवलोकन करने पर ज्ञात होता है कि आजीविका के प्रति प्रतिबद्धता से सम्बन्धित आंकड़ों में अध्यापक शिक्षकों का मध्यमान 18.29 तथा मानक विचलन 4.26 प्राप्त हुआ, तथा अध्यापक शिक्षिकाओं से सम्बन्धित आंकड़ों का मध्यमान 16.51 तथा मानक विचलन 4.12 प्राप्त हुआ। मध्यमान का अवलोकन करने पर शिक्षिकाओं की आजीविका के प्रति प्रतिबद्धता का मान निम्न पाया गया।

प्राप्त आंकड़ों के सांख्यिकीय विश्लेषण द्वारा परिकलित टी—मूल्य **2.327** प्राप्त हुआ। जो सार्थकता के स्तर पर स्वतन्त्रता के अंश 118 पर सारणी में दिए गए टी— मूल्य के मान 0.05 पर 1.98 से अधिक है। **अत: शून्य परिकल्पना 'अध्यापक शिक्षकों की आजीविका के प्रति प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर नहीं है' अस्वीकृत की जाती है।** विश्लेषण के आधार पर कहा जा सकता है कि अध्यापक शिक्षिकाओं की अपेक्षा अध्यापक शिक्षक आजीविका के प्रति अधिक प्रतिबद्ध होते है।

परिकल्पना

4- अध्यापक शिक्षकों की आजीविकागत क्रियाकलापों के प्रति प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर नहीं है।

तालिका— 4

अध्यापक शिक्षकों की आजीविकागत क्रियाकलाप में उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता की तुलना

	वर्ग	**संख्या**	**मध्यमान**	**मानक विचलन**	**टी—मूल्य**	**सार्थकता स्तर**
आजीविकागत क्रियाकलापों के प्रति प्रतिबद्धता	अध्यापक शिक्षक	60	16.39	3.53	**0.543**	**असार्थक**
	अध्यापक शिक्षिकायें	60	16.72	3.11		

तालिका 4 का अवलोकन करने पर ज्ञात होता है कि आजीविकागत क्रियाकलापों के प्रति प्रतिबद्धता से सम्बन्धित आंकड़ों में अध्यापक शिक्षकों का मध्यमान 16.39 तथा मानक विचलन 3.53 प्राप्त हुआ, तथा अध्यापक शिक्षिकाओं से सम्बन्धित आंकड़ों का मध्यमान 16.72 तथा मानक विचलन 3.11 प्राप्त हुआ। मध्यमान का अवलोकन करने पर शिक्षिकाओं की आजीविकागत क्रियाकलापों के प्रति प्रतिबद्धता का मान आंशिक उच्च पाया गया।

प्राप्त आंकड़ों के सांख्यिकीय विश्लेषण द्वारा परिकलित टी—मूल्य **0.543** प्राप्त हुआ। जो सार्थकता के स्तर पर स्वतन्त्रता के अंश 118 पर सारणी में दिए गए टी— मूल्य के मान 0.05 पर 1.98 से कम है। **अत: शून्य परिकल्पना 'अध्यापक शिक्षकों की आजीविकागत क्रियाकलापों के प्रति प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर नहीं है' अस्वीकृत की जाती है।** विश्लेषण के आधार पर कहा जा सकता है कि अध्यापक शिक्षक एवं अध्यापक शिक्षिकायें आजीविकागत क्रियाकलानों के प्रति समान रूप में प्रतिबद्ध होते है।

International Journal of Education and Science Research Review
Volume-8, Issue-6 Nov-Dec- 2021 E-ISSN 2348-6457 P-ISSN 2349-1817
www.ijesrr.org Email- editor@ijesrr.org

परिकल्पना

5- अध्यापक शिक्षकों की मूलभूत मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर नहीं है।

तालिका— 5

अध्यापक शिक्षकों की मूलभूत मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता की तुलना

	वर्ग	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	टी—मूल्य	सार्थकता स्तर
मूलभूत मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता	अध्यापक शिक्षक	60	20.18	4.39	**0.135**	**असार्थक**
	अध्यापक शिक्षिकायें	60	20.29	4.55		

तालिका— 5 का अवलोकन करने पर ज्ञात होता है कि मूलभूत मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता से सम्बन्धित आंकड़ों में अध्यापक शिक्षकों का मध्यमान 20.18 तथा मानक विचलन 4.39 प्राप्त हुआ, तथा अध्यापक शिक्षिकाओं से सम्बन्धित आंकड़ों का मध्यमान 20.29 तथा मानक विचलन 4.55 प्राप्त हुआ। मध्यमान का अवलोकन करने पर शिक्षिकाओं की मूलभूत मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता का मान आंशिक उच्च पाया गया।

प्राप्त आंकड़ों के सांख्यिकीय विश्लेषण द्वारा परिकलित टी—मूल्य **0.135** प्राप्त हुआ। जो सार्थकता के स्तर पर स्वतन्त्रता के अंश 118 पर सारणी में दिए गए टी— मूल्य के मान 0.05 पर 1.98 से निम्न है। **अतः शून्य परिकल्पना 'अध्यापक शिक्षकों की मूलभूत मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर नहीं है' स्वीकृत की जाती है।** विश्लेषण के आधार पर कहा जा सकता है कि अध्यापक शिक्षक एवं अध्यापक शिक्षिकाओं की मूलभूत मूल्यों के प्रति समान प्रतिबद्धता होती है।

निष्कर्ष

अध्यापक शिक्षकों की शिक्षण प्रतिबद्धता से सम्बन्धित प्रमुख निष्कर्ष निम्न है—

परिणामों के विश्लेषण के पश्चात यह कहा जा सकता है कि अध्यापक शिक्षक एवं अध्यापक शिक्षिकाओं में शिक्षण के विभिन्न क्षेत्रों के प्रति प्रतिबद्धता पायी गयी और वे विद्यार्थियों पर उचित ध्यान देते हैं। विश्लेषण के आधार पर यह कहा जा सकता है कि अधिगमकर्ता एवं आजीविका के प्रति प्रतिबद्धता के अन्तर्गत अध्यापक शिक्षक एवं शिक्षिकाओं में पर्याप्त भिन्नता पाई जाती है जबकि समाज, आजीविकागत क्रियाकलाप में उत्कृष्टता एवं मूलभूत मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता में कोई भिन्नता नहीं पायी गयी। इन सभी क्षेत्रों में अध्यापक शिक्षक एवं शिक्षिकाओं में समानता पायी गयी।

सन्दर्भग्रन्थ सूची

- अली, रमजान (2020) 'प्रोफेशनल कमिटमेंट ऑफ टीचर एजूकेटर्स इन कालिज ऑफ एजूकेशन इन जम्मू डिस्ट्रिक्ट' (PJAEE) 17 (6), ISSN 1567-214x
- सिंह, धर्मेन्द्र (2017) 'प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्तर पर अध्यापकों की व्यावसायिक प्रतिबद्धता का अध्ययन' email: dhepa9414@gmail.com ISSNL Print-2231-36130N LineQ 455-8729

- हातिम मौ. एवं शकिर मौ. (2021) 'ए स्टडी ऑफ प्रोफेशनल कमिटमेन्ट एमन्ग सेकेन्डरी स्कल टीचर्स इन रिलेशन टू सेल्फ एस्टंडर एण्ड लेंथ सर्विस', Vol.12, Issue 1, pp- 29-35 April, 2021 (DOI: 10.30954/2230-7311.1, 2021.4
- करन, डिकर सुमन (2003) 'स्ट्रगल फॉर कमिटमेन्ट' टीचर कमिटमेन्ट, वालिया के एन.सी.ई.आर.टी., पृ० .94—105
- महाजन, पूनम व अमित कॉटस (2022) 'स्टडी ऑफ प्रोफेशनल कमिटमेंट एमन्ग सेकेण्डरी स्कूल टीचर्स ऑफ पंजाब विद रिस्पेक्ट टू टाइप ऑफ स्कूलस' Vol. 6, Issu-6, pp.9587-9597, http://journalppw.com
- सभ्रवाल, शोभासी (2009) 'गुरू शिष्य सम्बन्ध आधुनिक शैक्षिक परिप्रेक्ष्य में' भारतीय आधुनिक शिक्षा, वर्ष—30, अंक—2, पृ० .37—40
- श्रीवास्तव, रश्मि (2012) 'शिक्षक दिवस के प्रति हमारी प्रतिबद्धता' भारतीय आधुनिक शिक्षा वर्ष—33 अंक—1, राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद, पृ० .50—60
- शुक्ला अम्बरीश कुमार (2016) 'Professional Commitment of Secondary School Teachers in Relation to their Gender and Area : A Comparative Study' Vol.5, Issue-7 ISSN-2277-8160
- सिंह, धर्मेन्द्र (2017) 'प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्तर पर अध्यापकों की व्यावसायिक प्रभावशीलता का अध्ययन' ISSN. Print-2231-3613, Online Q- 455-8729.
- त्रिपाठी, एस. एन. (2003) 'वैल्यू एजुकेशन, टीचर कमिटमेन्ट, टीचर कमिटमेन्ट' वालिया के एन.सी.ई. आर.टी., पृ० .57—36
- यादव, सतीश (2009) 'अध्यापक शिक्षा समस्याएं एवं चुनौतियां' भारतीय आधुनिक शिक्षा वर्ष 30 अंक 2 पृष्ठ 79—85